भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 18 जून, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय (i) दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और झारखंड के शेष हिस्सों और बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ा।

(ii) 18 जून को गुजरात, उत्तरी कोंकण, मध्य महाराष्ट्र में ; 18 और 19 जून, 2025 को गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

(iii) अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 18 जून को मेघालय में अत्यधिक बारिश होगी।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और झारखंड के शेष हिस्सों और बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- मानसून की उत्तरी सीमा 25.0°N/60°E, 25.0°N/65°E, 25.5°N/70°E, बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर, ग्वालियर, खजुराहो, सोनभद्र, गया और 30.5°N/82.5°E से होकर गुज़र रही है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष भागों, राजस्थान के कुछ और भागों, मध्य प्रदेश के शेष भागों, उत्तर प्रदेश के कुछ और भागों, बिहार के शेष भागों, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद के कुछ भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

आज, 18 जून, 2025 को 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति (अनुलग्नक II):

- असम और मेघालय, मणिपुर, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदान, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है। झारखंड में कुछ स्थानों पर और उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, तमिलनाडु और आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई है।

- **70-110 किमी/घंटा की गति के साथ** तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ तूफानी/झोंकेदार हवाएँ देखी गईं। **50-70 किमी/घंटा की गति के साथ** गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, असम और मेघालय, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ तूफानी/झोंकेदार हवाएँ देखी गईं।

मौसम के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक II देखें।

आज के 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान **अधिकतम तापमान** के विस्तृत अवलोकन **अनुलग्नक III** में संलग्न हैं।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ

मौसम प्रणालियाँ:

मौसम प्रणालियाँ:

- **निम्न दबाव क्षेत्र**:
    - दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश और आसपास के गंगा तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर मौजूद निम्न दबाव क्षेत्र आज, 18 जून 2025 को 0530 बजे IST पर गंगा तटीय पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्र में एक अच्छी तरह से चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में तेज हो गया। यह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना हुआ है। इससे जुड़ा मध्यम क्षोभमंडलीय स्तरों में ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है, बना हुआ है। यह अगले 24 घंटों में झारखंड के पार धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
    - मध्य राजस्थान और आसपास के क्षेत्र में आज, 18 जून 2025 को 0830 बजे IST पर एक अन्य निम्न दबाव क्षेत्र मौजूद है। इससे जुड़ा मध्यम क्षोभमंडलीय स्तरों में ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।
- **गर्त**:
    - पंजाब से उत्तरी गुजरात क्षेत्र तक, मध्य राजस्थान के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के माध्यम से, निचले और मध्यम क्षोभमंडलीय स्तरों में एक गर्त फैला हुआ है।
- **पश्चिमी विक्षोभ**:
    - मध्यम क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक पश्चिमी विक्षोभ 30°N अक्षांश के उत्तर में लगभग 72°E देशांतर के साथ एक गर्त के रूप में मौजूद है।
- **ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण**:
    - उत्तर प्रदेश के मध्य भागों के ऊपर निचले और मध्यम क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 18 और 19 जून को; मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में 18 से 22 जून तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं। मध्य प्रदेश में 18 और 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर तूफानी हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) बहुत संभावित हैं।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18, 19, 22 और 23 जून को; गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में 23 और 24 जून को; बिहार, झारखंड, ओडिशा में 18 से 22 जून तक; मध्य प्रदेश में 18 से 23 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। बिहार में 18 और 19 जून को; गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा में

19 जून को; झारखंड में 20 जून को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 20 से 23 जून तक; पश्चिमी मध्य प्रदेश में 22 और 23 जून को; छत्तीसगढ़ में 18 से 20 जून तक बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

- गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा में 18 जून को; झारखंड में 18 और 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में 18 से 24 जून तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में 18 से 24 जून तक; सौराष्ट्र और कच्छ में 18 से 19 जून और 22 से 24 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में 18 और 19 जून को; गुजरात राज्य में 18 जून को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में 18 से 19 जून तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में 18 से 20 जून तक कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली की संभावना है।

- तमिलनाडु में 18 जून को; केरल और माहे में 18, 19 और 22 जून को; तटीय कर्नाटक में 18, 23 और 24 जून को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

- केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में 18 और 19 जून को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 18 से 21 जून तक तेज सतही हवाएँ (40-60 किमी/घंटा की गति) बहुत संभावित हैं।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 7 दिनों तक उत्तर-पूर्व भारत में कई/अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना बनी रहेगी। मेघालय में 18 जून को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- उत्तर-पश्चिम भारत में 18 से 24 जून तक कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं।

- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में 18 से 24 जून तक; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 22 जून को; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 20 से 23 जून तक; पश्चिमी राजस्थान में 18 जून को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना। पूर्वी राजस्थान में 18, 19, 22 और 23 जून को; उत्तर प्रदेश में 19 से 22 जून तक; उत्तराखंड में 21 से 23 जून तक; हिमाचल प्रदेश में 22 और 23 जून को बहुत भारी वर्षा की संभावना ।

अधिकतम तापमान पूर्वानुमान:

- मध्य भारत में अगले 3 दिनों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की कमी की संभावना, उसके बाद कोई बड़ा बदलाव नहीं।

- देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं।

गर्म और आर्द्र स्थिति की चेतावनी:

- तमिलनाडु में 18 और 19 जून को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 18 से 22 जून तक अलग-अलग स्थानों पर गर्म और आर्द्र स्थिति बहुत संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनियाँ:

मछुआरों को 18 से 23 जून 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- **कोमोरिन क्षेत्र, लक्षद्वीप, मालदीव क्षेत्र**: दिन 1 (18 जून 2025)।
- **गुजरात तट के साथ और उसके बाहर**: दिन 1 से 4 (18 से 22 जून)।
- **कोंकण तट**: दिन 1 से 3 (18 से 21 जून 2025)।
- **गोवा तट-कर्नाटक तट**: दिन 1 से 2 (18 से 20 जून)।
- **केरल तट**: दिन 1 (18 जून 2025)।
- **दक्षिण-पूर्व अरब सागर**: दिन 1 (18 जून 2025)।
- **पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व अरब सागर**: दिन 1 से 4 (18 से 22 जून 2025)।
- **पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्से**: दिन 1 से 5 (18 से 23 जून 2025)।
- **उत्तर-पश्चिम अरब सागर के दक्षिणी हिस्से**: दिन 2 से 4 (19 से 22 जून 2025)।
- **सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र**: दिन 1 से 5 (18 से 23 जून)।

बंगाल की खाड़ी:

- **मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्से**: दिन 1, 2 और 5 (18, 19 और 22 जून 2025)।
- **मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से**: दिन 3 और 4 (20 और 21 जून 2025)।
- **उत्तर बंगाल की खाड़ी, ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट के साथ और उसके बाहर**: दिन 1 और 2 (18 से 20 जून 2025)।
- **श्रीलंका तट के साथ और उसके बाहर**: दिन 5 (22 जून 2025)।
- **आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके बाहर**: दिन 1 से 4 (18 से 22 जून 2025)।
- **मन्नार की खाड़ी और अंडमान सागर**: दिन 1 (18 जून 2025)।
- **सलाह**: उपरोक्त क्षेत्रों और तिथियों के दौरान मछली पकड़ने के संचालन को पूरी तरह से निलंबित करने की सलाह दी जाती है।

ii. 18 जून से 21 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक VI)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

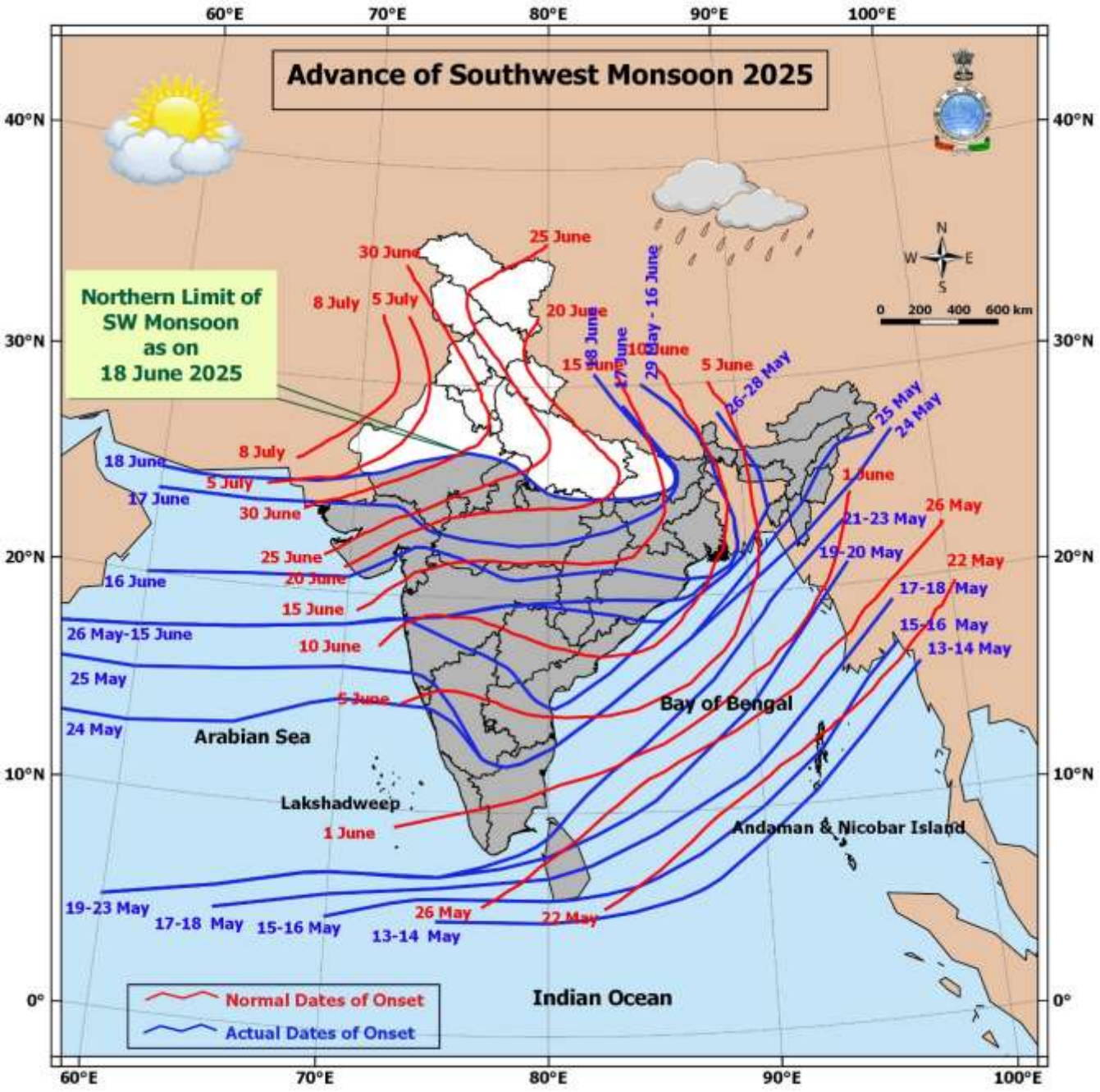
Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 18 June 2025
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°
N
W
E
S
0 200 400 600 km
25 June
30 June
8 July
5 July
20 June
15 June
10 June
5 June
29 May - 16 June
26-28 May
25 May
24 May
1 June
26 May
21-23 May
19-20 May
22 May
17-18 May
15-16 May
13-14 May
18 June
17 June
16 June
26 May-15 June
25 May
24 May
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
19-23 May
17-18 May
15-16 May
13-14 May
26 May
22 May
Indian Ocean
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: नरवर (जिला शिवपुरी) 16
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: सायला (जिला सुरेंद्रनगर) 16; बरवाला (जिला बोटाद) 15; बोटाद (जिला बोटाद) 14; जोदिया (जिला जामनगर), मुली (जिला सुरेंद्रनगर) प्रत्येक 13; उमराला (जिला भावनगर) 12; कांडला हवाई अड्डा (जिला कच्छ), कांडला न्यू (जिला कच्छ), थानगढ़ (जिला सुरेंद्रनगर), वल्लभीपुर (जिला भावनगर) प्रत्येक 11; चूड़ा (जिला सुरेंद्रनगर) 10; गांधीधाम (जिला कच्छ) 9; अंजार (जिला कच्छ) 8; मालिया मियाना (जिला मोरबी), हलवद (जिला मोरबी), ओखा (जिला देवभूमि द्वारका), नखत्राना (जिला कच्छ) प्रत्येक 7
- **झारखंड**: अरकी (जिला खूंटी) 15; कुरु (जिला लोहरदगा), बांदगांव (जिला पश्चिम सिंहभूम) प्रत्येक 14; रांची हवाई अड्डा (जिला रांची) 13; मंडर (जिला रांची), गोविंदपुर डीवीसी (जिला धनबाद) प्रत्येक 12; मैथन (जिला धनबाद), बुरमु (जिला रांची), खलारी (जिला रांची), मैथन डीवीसी (जिला धनबाद) प्रत्येक 11; चंदवा (जिला लातेहार), मुरहु (जिला खूंटी), हेरहंज (जिला लातेहार) प्रत्येक 10; पांकी (जिला पलामू), पुटकी (जिला धनबाद), लातेहार (जिला लातेहार), तेनुघाट (जिला बोकारो), जामताड़ा एफएमओ (जिला जामताड़ा), शिलैचक (जिला चतरा), आईसीएआर नामकुम (जिला रांची), बाउ कांके (जिला रांची) प्रत्येक 9;
- **असम और मेघालय**: एन.लखीमपुर/लिलाबारी (जिला लखीमपुर) 14; चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर) 12; चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 9; मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 8; बिहुबार (जिला सिबसागर), निमाटीघाट (जिला जोरहट) प्रत्येक 7
- **ओडिशा**: जोड़ा (जिला केंझरगढ़) 13; तिरिंग (जिला मयूरभंज) 12; बांसपाल (जिला केंझरगढ़) 10; तेंसा (जिला सुंदरगढ़) 9; बनाईगढ़ (जिला सुंदरगढ़) 8; तेलकोई (जिला केंझरगढ़), नकटीदेउल (जिला संबलपुर) प्रत्येक 7
- **केरल और माहे**: तालिपरंबा (जिला कन्नूर) 12; चेंबेरी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 8; तेल्लिचेरी (जिला कन्नूर) 7
- **तटीय कर्नाटक**: उप्पिननगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 12; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) प्रत्येक 10; बेलथंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 8; धर्मस्थला (जिला दक्षिण कन्नड़) 7
- **गंगा तटीय पश्चिम बंगाल**: आसनसोल (सीडब्ल्यूसी) (जिला पश्चिम बर्धमान) 12; आसनसोल (जिला पश्चिम बर्धमान) 11; सिमुला (जिला पुरुलिया), बर्नपुर (जिला पश्चिम बर्धमान) प्रत्येक 9; बांकुड़ा (सीडब्ल्यूसी) (जिला बांकुड़ा), अमताला (जिला मुर्शिदाबाद) प्रत्येक 8; बांकुड़ा (जिला बांकुड़ा), बर्दवान पीटीओ (जिला पूर्व बर्धमान), मंटेश्वर (जिला पूर्व बर्धमान) प्रत्येक 7
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: डिंडोरी-एडब्ल्यूएस (जिला डिंडोरी) 11; गौरीहार (जिला छतरपुर) 9; बड़ामलहेरा (जिला छतरपुर) 7
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: कोट्टिगेहारा (जिला चिक्कमगलूर) 10; भगमंडला (जिला कोडगु) 9; कलासा (जिला चिक्कमगलूर) 7
- **पूर्वी राजस्थान**: कामन (जिला भरतपुर) 10; सिकराई (जिला दौसा) 8; तोड़ाभीम (जिला करौली), गिरवा एसआर (जिला उदयपुर) प्रत्येक 7
- **हरियाणा-चंडीगढ़**: बावल (जिला रेवाड़ी) 10; नूह (जिला नूह) 9; बावल एडब्ल्यूएस (जिला रेवाड़ी) 8; मानेती रेव (जिला रेवाड़ी) 7
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: बहराइच (जिला बहराइच) 9
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: झांसी (जिला झांसी) 9; बहेरी (जिला बरेली), अलीगंज (जिला एटा) प्रत्येक 7
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: लोंडा (जिला बेलगावी) 8
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: एवलांच (जिला नीलगिरी) 8; चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 7
- **मध्य महाराष्ट्र**: राधानगरी (जिला कोल्हापुर), शाहूवाड़ी (जिला कोल्हापुर) प्रत्येक 8; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 7
- **गुजरात क्षेत्र**: दियोदर (जिला बनासकांठा), बोरसद (जिला आनंद) प्रत्येक 8
- **पश्चिमी राजस्थान**: रानीवाड़ा एसआर (जिला जालोर) 8
- **पंजाब**: नाभा (जिला पटियाला) 8
- **कोंकण और गोवा**: मांडणगढ़ (जिला रत्नागिरी) 7

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 18 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- **गंगा तटीय पश्चिम बंगाल**: सागर द्वीप (56); दीघा (37); गंगासागर (35); कैनिंग (30)
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: उज्जैन 59 किमी/घंटा (15 स्थान)
- **कोंकण**: अलीबाग (रायगढ़) - 68 किमी/घंटा, पालघर - 50 किमी/घंटा, सांताक्रूज (मुंबई) - 48 किमी/घंटा
- **मध्य महाराष्ट्र**: विल्होली (नासिक) - 57 किमी/घंटा, महाबलेश्वर (सतारा) - 54 किमी/घंटा, जलगाँव - 50 किमी/घंटा
- **मराठवाड़ा**: परभणी - 50 किमी/घंटा, जालना - 48 किमी/घंटा
- **असम और मेघालय**: मावसिनराम - 57 किमी/घंटा, मावक्यरवाट - 56 किमी/घंटा, तुरा केवीके, नोंगस्टोइन, जोवई प्रत्येक 43 किमी/घंटा

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे IST तक तापमान अवलोकन:

- कल, पश्चिमी राजस्थान, बिहार के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 38-42 डिग्री सेल्सियस के बीच था; उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर; विदर्भ, तेलंगाना, रायलसीमा के अधिकांश स्थानों पर 33-38 डिग्री सेल्सियस के बीच; पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कई स्थानों पर; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय, झारखंड के अलग-अलग स्थानों पर और देश के शेष हिस्से में कहीं और 33 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। कल, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस ओरई (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर (> 5.1°C) था; जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर; असम और मेघालय, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) था। बिहार में कुछ स्थानों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) था; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कई स्थानों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, तटीय कर्नाटक, केरल एवं माहे में कुछ स्थानों पर, तथा पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र, ओडिशा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में दर्ज किया गया।

चित्र 1): अधिकतम तापमान

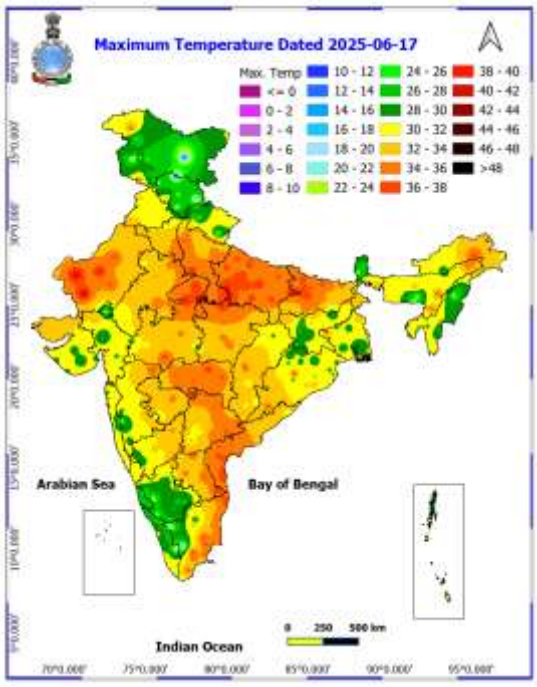

चित्र 2): अधिकतम तापमान का विचलन

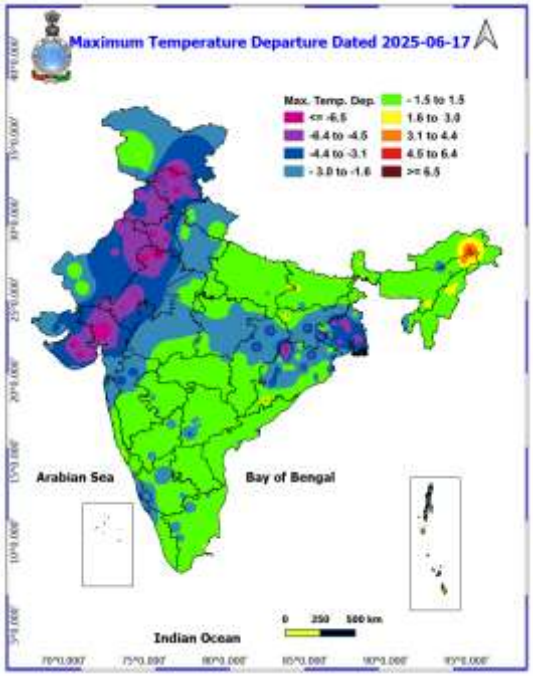

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Jun	19- Jun	20- Jun	21- Jun	22- Jun	23- Jun	24- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	FWS	WS	WS	SCT	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	WS	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

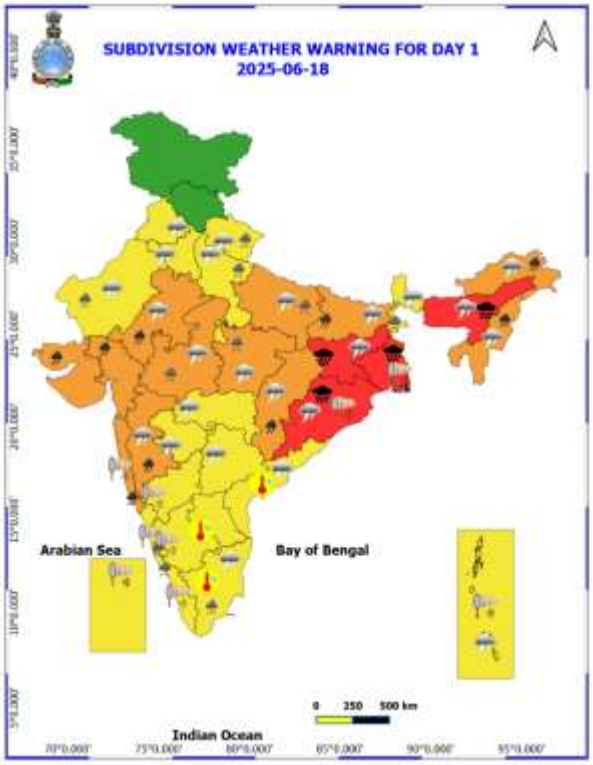
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

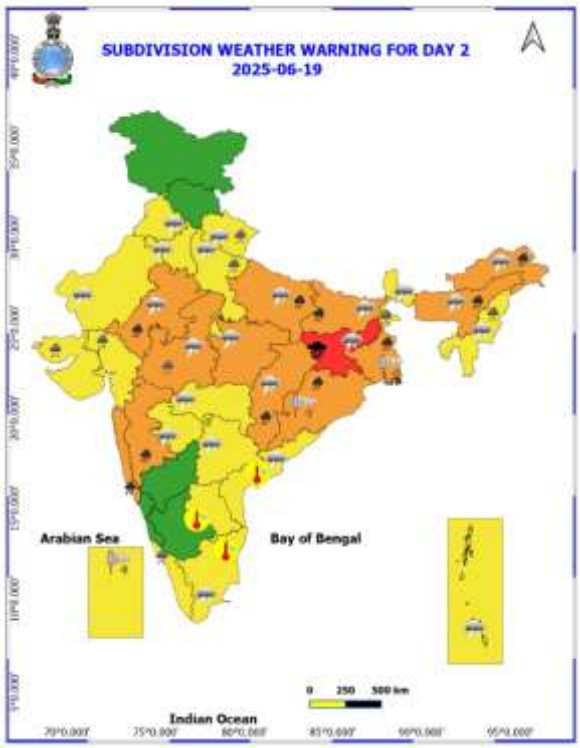
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

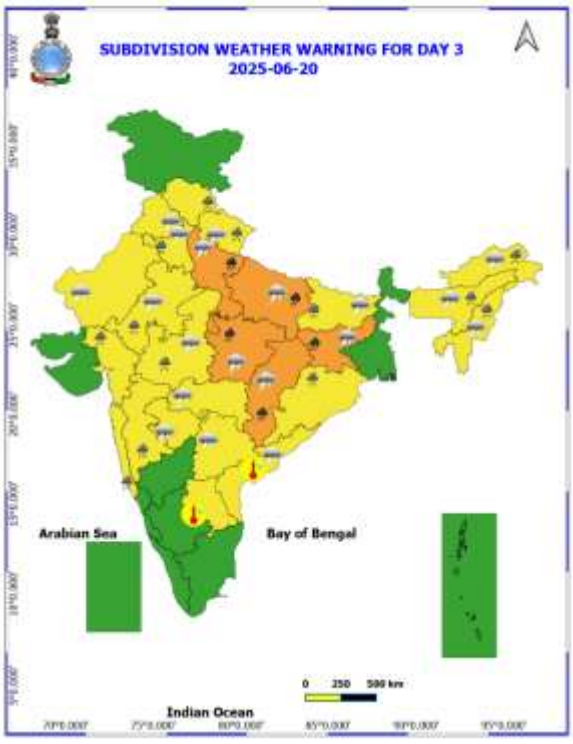
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

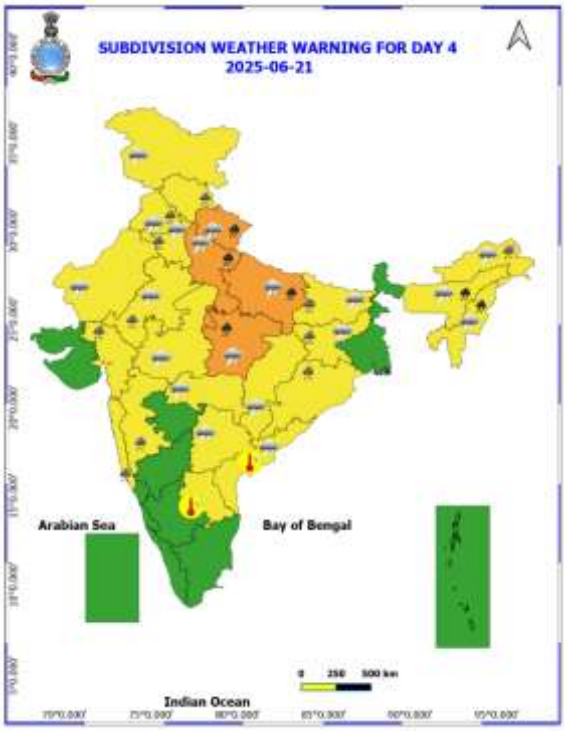

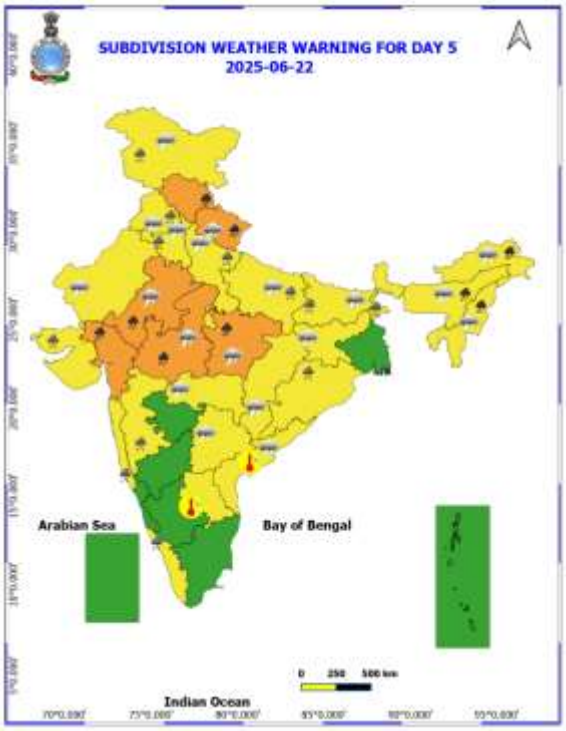

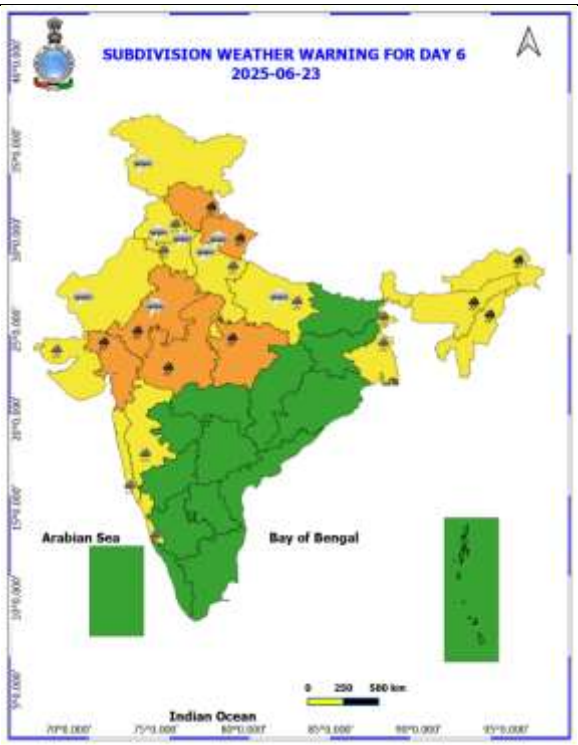

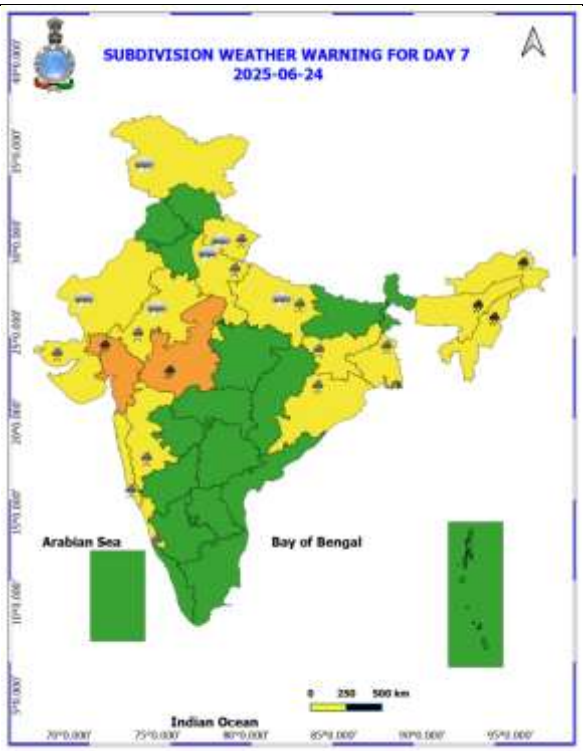

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक VI

दिल्ली/एनसीआरकेलिएमौसमपूर्वानुमान (18 से 21 जून2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 3-4°C तक गिरावट और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 35 से 36°C और न्यूनतम तापमान 22 से 25°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-4°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-3°C तक कम रहा। इस दौरान आसमान आमतौर पर बादलों से ढका रहा और प्रमुख सतही हवाएँ पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे तक की गति से चलीं, जो झोंकों में 35 किमी प्रति घंटे तक पहुंची। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

18.06.2025: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। शाम/रात के समय हल्की से मध्यम बारिश/गरज-चमक के साथ आंधी तथा तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति से, अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटे तक) चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35°C के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 3-5°C तक कम रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 10-15 किमी प्रति घंटे हो सकती है।

19.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात को बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक के साथ आंधी तथा तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति से, अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटे तक) चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह प्रमुख सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी। दोपहर में यह घटकर 08-12 किमी प्रति घंटे दक्षिण दिशा से हो जाएंगी, और शाम/रात को यह 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी।

20.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज-चमक की संभावना है। अधिकतम तापमान 36 से 38°C और न्यूनतम तापमान 27 से 29°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा। सुबह दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएँ चलेंगी, दोपहर में यह गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी, और शाम/रात को 25 किमी प्रति घंटे से कम की गति से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी।

21.06.2025: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। हल्की से मध्यम बारिश/गरज-चमक के साथ आंधी तथा तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति से, अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटे तक) चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 35 से 37°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक कम रहेगा। सुबह हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी, दोपहर में यह गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पूर्व की होगी। शाम/रात को यह गति 18 किमी प्रति घंटे से कम की हो जाएगी।

गरज-चमक व तेज़ हवाओं के कारण संभावित प्रभाव व सुझावित कार्रवाई:

- गरज-चमक व तेज़ हवाएँ (40 - 50 किमी प्रति घंटे, अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटे तक) संभावित हैं। सतर्क रहें व आवश्यक सावधानियाँ बरतें।
- पेड़ों की शाखाएँ टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, सूखी व भारी शाखाएँ गिर सकती हैं।
- खड़ी फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान की संभावना।
- खुले में रखी वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें, यात्रा से बचें।

- सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे खड़े न हों, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें, कंक्रीट की दीवारों से न टिकें।
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से दूर रहें और बिजली प्रवाहित करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- **अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे)**:
    - मेघालय, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा में 18 जून को; झारखंड में 18 और 19 जून को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना।
- **भारी से बहुत भारी वर्षा**:
    - उत्तर-पूर्व भारत में 18 से 24 जून तक; कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी राजस्थान में 18 और 19 जून को; गुजरात राज्य में 18 जून को; छत्तीसगढ़ में 18 से 20 जून तक; मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में 20 से 22 जून तक; उत्तराखंड में 21 से 23 जून तक; हिमाचल प्रदेश में 22 और 23 जून को भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना बनी रहेगी।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

अलग-अलग स्थानों पर बिजली/तेज और तूफानी हवाओं के साथ तूफान आने के कारण अपेक्षित प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया है।

18 और 19 जून को मध्य प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक) आने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।

- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- पानी वाले स्थानों से तुरंत बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **गंगेय पश्चिम बंगाल में,** खरीफ धान की बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई चावल की नर्सरी, तिल और जूट में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनायें रखें। चावल की युवा पौध को भारी बारिश से बचाने के लिए प्लास्टिक शीट या एग्रो-शेड नेट से ढक दें। बोरो धान की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें और कटे हुए अनाज को भारी बारिश से बचाने के लिए तिरपाल या पॉलीथीन शीट का उपयोग करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में**, धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **उत्तरी ओडिशा में**, धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें और पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों में जलभराव को रोकने हेतु, अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। भारी बारिश के दौरान बाजरा, मक्का, दालों और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए चावल और सब्जी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **झारखंड में,** धान की नर्सरी, मूंग एवं अन्य खरीफ फसलों, सब्जियां एवं फलों के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था बनाए रखें। मक्के की कटाई स्थगित करें तथा पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- **दक्षिण गुजरात में**, चावल की नर्सरी और सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई चावल की नर्सरी, सोयाबीन और केले के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **सौराष्ट्र में,** सब्जी के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- **राजस्थान में**, बारिश से बचाव हेतु कटी हुई मूंग और सब्जियों को ढककर या सुरक्षित स्थान पर रखें।
- **केरल में**, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

- **तमिलनाडु में**, धान की पहले से बोई गई नर्सरी, कपास, गन्ना, मूंगफली तथा रोपे गए चावल के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा बनाए रखें। कपास के कोमल पौधों, गन्ने के युवा पौधों और केले के फलदार पौधों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- **तटीय कर्नाटक में**, धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। जलजमाव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, केले, नारियल और सुपारी के बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **कोंकण और गोवा** तथा **मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, अरहर, बाजरा और सोयाबीन की पहले से बोई गई फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और खट्टे फलों की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटी हुई उपज उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। चावल की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **नागालैंड में,** झूम चावल और धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श
(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

फ्लैश फ्लड जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान (19-06-2025 को 1130 IST तक)

अगले 24 घंटों में निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के इलाकों में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

गंगा तटीय पश्चिम बंगाल:

- **जिले**: बांकुड़ा, पूर्व मेदिनीपुर, हावड़ा, नदिया, उत्तर 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना।

आसपास के झारखंड:

- **जिले**: पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, सरायकेला, रांची और पश्चिम सिंहभूम।

आसपास के ओडिशा:

- **जिले**: बालेश्वर, देवगढ़, केंझर, मयूरभंज और सुंदरगढ़।

सतही अपवाह/जलमग्नता:

- अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए गए चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलमग्नता हो सकती है।

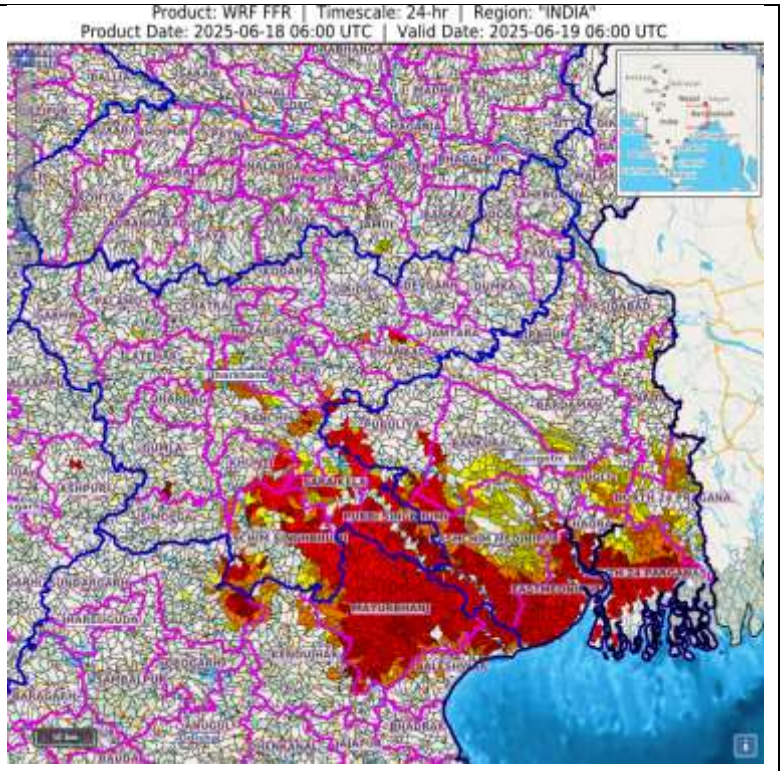

फ्लैश फ्लड जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान (19-06-2025 को 1130 IST तक)

अगले 24 घंटों में निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के इलाकों में निम्न से मध्यम फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

असम और मेघालय:

- **जिले**: कछार, हैलाकांडी, एन.सी. हिल्स, करीमगंज, पूर्वी खासी हिल्स, दक्षिण गारो हिल्स, पश्चिमी खासी हिल्स और जयंतिया हिल्स।

नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा (NMMT):

- **नगालैंड**: दिमापुर, किफायर, कोहिमा, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग, वोखा, जुनहेबोटो।
- **मणिपुर**: चंदेल, चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, सेनापति, तमेंगलांग, उखरूल।
- **मिजोरम**: आइजोल, लॉन्गटलई, लुंगलेई, साईहा, चम्फाई, सेरछिप।
- **त्रिपुरा**: दक्षिण त्रिपुरा, पश्चिम त्रिपुरा और धलाई जिले।

सतही अपवाह/जलमग्नता:

- अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए गए चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलमग्नता हो सकती है।

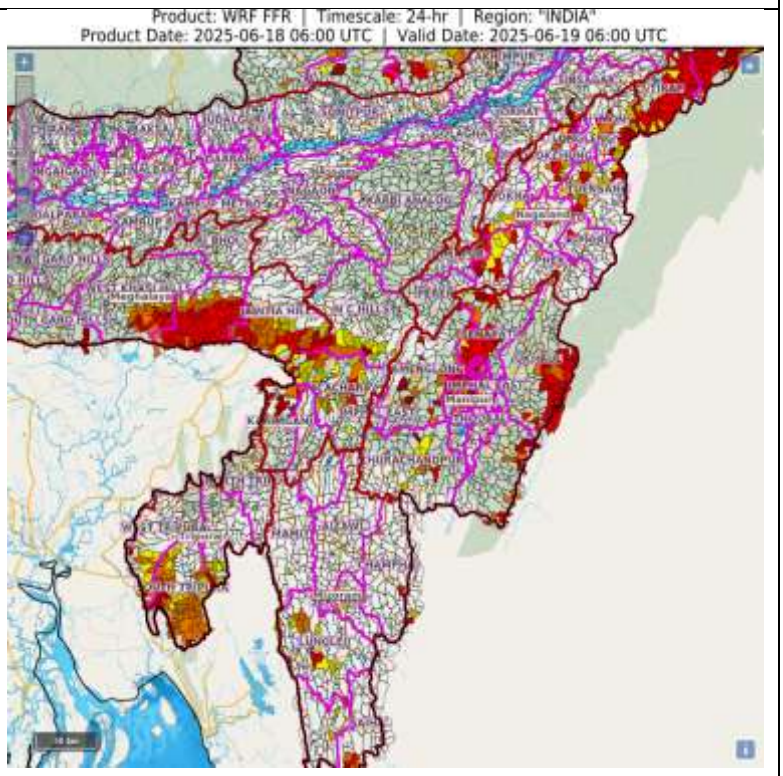

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

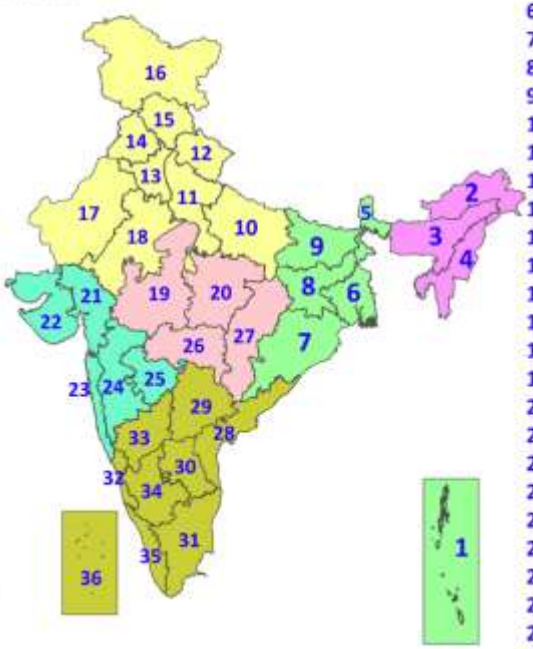

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)